अंक योजना

अभ्यास प्रश्न पत्र-1

कक्षा-10 **विषय- सामाजिक विज्ञान** **अधिकतम अंक-80**

खंड – क

1. (d) मैटेरनिख –ऑस्ट्रिया
2. (A) संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण संकल्पना की सही व्याख्या है |
3. (D) सभी कथन सत्य हैं |
4. एक देश जिसमें जीवन स्तर, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिहाज़ से बेहतर माहौल है, उसे विकसित देश के रूप में जाना जाता है |
5. कार्टून देश के सभी प्रमुख संस्थानों पर एक दल के नियंत्रण होने का संकेत करता है |

   केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए

   जिस देश में केवल एक दल को सरकार बनाने और चलने की अनुमति हो उसे एक दलीय शासन-व्यवस्था कहते हैं |
6. असत्य
7. उदारीकरण
8. (B) केवल 2 और 4
9. जूट

   अथवा

   खीरा (कोई अन्य)
10. वाहनों से निकलने वाले धुएं पर नियन्त्रण (कोई अन्य)

    अथवा

    शहरी कचरे को नदियों में मिलने से रोकना (कोई अन्य)
11. वायु परिवहन

    अथवा

    सड़क परिवहन

https://www.evidyarthi.in

12.प्रच्छन्न बेरोजगारी
13. एक दलीय व्यवस्था
14.ब्रुसेल्स
15.केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार दोनों के पास
16.किसी देश में सरकार विरोधी समूहों की हिंसक लड़ाई ऐसा रूप ले ले कि वह युद्ध जैसा लगे तो उसे गृहयुद्ध कहते हैं |

<u>खंड – ख</u>

17. (i) असम के बागानी मजदूरों के लिए आज़ादी का मतलब था कि वे उन चारदीवारियों से जब चाहे आ-जा सकते हैं जिसमें उनको बंद करके रखा गया था |
(ii) उनके लिए आज़ादी का अर्थ था कि वे अपने गावों से संपर्क रख पाएंगे |
(iii) क्योंकि 1859 के इनलैंड इमिग्रेशन एक्ट के द्वारा बागानों में काम करने वाले मजदूरों को बिना अनुमति के बागान से बाहर जाने के छूट नहीं थी |
(iv) असहयोग आन्दोलन के बारे में सुनने के बाद उन्होंने बागान छोड़ दिए और अपने घर को चल दिए | लेकिन वे अपनी मंज़िल तक नहीं पहुँच पाए |
(v) उनको लगता था की अब गाँधी राज आ रहा है इसलिए अब तो सबको गाँव में ज़मीन मिल जाएगी |
(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

18. क्योंकि (i) लोकतंत्र नागरिकों की गरिमा और आज़ादी को बढ़ावा देता है |
(ii) लोकतंत्र उतरदायी, ज़िम्मेवार और वैध शासन व्यवस्था है |
(iii) लोकतंत्र में सामाजिक विविधताओं का सामंजस्य बेहतर तरीके से होता है |
(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

19. हाँ क्योंकि,
(i) धन से केवल जीवन की आवश्यकताएं ही पूरी की जा सकती है |
(ii) जीवन जीने के लिए और भी महत्वपूर्ण चीजों की जरुरत होती है जैसे- स्वच्छ वातावरण नहीं ख़रीदा जा सकता |

(iii) धन से व्यक्ति संक्रामक बीमारियों से भी नहीं बच सकता जबतक कि पूरा समुदाय इनसे बचने के लिए कदम नहीं उठा ले | COVID-19 से यह बात पूरी तरह से सत्य जान पड़ती है |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

अथवा

पर्यावरणीय क्षरण के परिणाम राष्ट्रीय या राज्य की सीमाओं का सम्मान नहीं करते क्योंकि

(i) पर्यावरणीय क्षरण राष्ट्रीय या क्षेत्रीय मुद्दा नहीं है बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दा है |

(ii) पर्यावरणीय क्षरण का प्रभाव सभी देशों पर पड़ता है जैसे भूमंडलीय तापन, अम्ल वर्षा आदि |

(iii) पर्यावरणीय क्षरण से जुडी समस्याओं को मिलजुलकर सुलझाने की जरुरत है |

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

20. (i) भाषा के आधार पर राज्यों का गठन एक महत्वपूर्ण चुनौती थी |

(ii) आज़ादी के बाद भाषा के आधार पर राज्यों के गठन की मांग तेज़ हो गयी |

(iii) इससे कई नेताओं को देश के टूटने का भी डर था |

(iv) इसके कारण भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन को कुछ समय के लिए टाल दिया गया लेकिन बाद में भाषा के आधार पर अनेक राज्यों का गठन किया गया जैसे आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात इत्यादि |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

21. (i) प्रस्तुत कथन सत्ता में साझेदारी की आवश्यकता को दर्शाता है |

(ii) लोकतंत्र का अर्थ ही होता है की जो लोग इस शासन-व्यवस्था के अंतर्गत हैं उनके बीच सत्ता को बाँटा जाए |

(iii) सत्ता की साझेदारी से शासन की वैधता बढ़ जाती है |

(iv) सत्ता की साझेदारी सामाजिक टकरावों को रोक पाती है |

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

22. (i) रेलवे की अपेक्षा निर्माण लगात बहुत ही कम है |

evidyarthi

(iii) अपेक्षाकृत उबड़-खाबड़ स्थानों पर भी सड़के बनाई जा सकती हैं |

(iii)अपेक्षाकृत कम लोगों, कम दूरी व कम वस्तुओं के परिवहन में सड़क मार्ग से खर्च कम होता है |

(iv) सड़क परिवहन लोगों को घर घर तक सेवाएँ उपलब्ध करवाता है |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

अथवा

(i) पर्यटन बहुत बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान करता है |

(ii) यह स्थानीय हस्तकला व सांस्कृतिक उद्यमों को प्रश्रय देता है |

(iii) पर्यटन से देश को विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है |

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

खंड-ग

23. (i) (B) सहमति के आधार पर

(ii) उदारवाद लातिन भाषा के liber शब्द पर आधारित है जिसका अर्थ होता है आज़ाद| नए उभरते मध्य वर्ग के लिए उदारवाद का अर्थ था व्यक्ति के लिए आज़ादी और कानून के समक्ष बराबरी | रजनीतिक रूप से उदारवाद एक ऐसी सरकार पर जोर देता था जो सहमति से बनी हो |

(iii)नेपोलियन

(iv) फ्रांस

24. (i) (A) ब्रिटेन

(ii) आत्मबल

(iii)सत्य

(iv)सत्याग्रह सत्य पर आधारित होता है और इसमें शारीरिक बल का कोई स्थान नहीं होता है | अहिंसा सर्वोच्च धर्म है | ब्रिटेन जैसे देश हिंसा पर बल देते हैं लेकिन भारत ने अहिंसा का मार्ग अपनाया है |

25. (i) (D) राजस्थान

(ii) (C) अरुणाचल प्रदेश

https://www.evidyarthi.in

(iii) भारत में संसाधनों की उपलब्धता में बहुत विविधता है | कुछ क्षेत्र संसाधनों से संपन्न हैं जबकि कुछ क्षेत्रों में संसाधनों की कमी है | इसलिए राष्ट्रीय, प्रांतीय, प्रादेशिक और स्थानीय स्तर पर संतुलित संसाधन नियोजन की आवश्यकता है |

(iv) लद्दाख एक शीत मरुस्थल है और सांस्कृतिक विरासत का धनी है परंतु यहाँ जल, आधारभूत अवसरंचना तथा महत्वपूर्ण खनिजों का अभाव है |

26. (i) वैश्वीकरण विभिन्न देशों के बीच एकीकरण की प्रकिया है जो विदेशी निवेश और विदेशी व्यापार के द्वारा संभव हो रहा है |
(ii) बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ उत्पादन के लिए सस्ते क्षेत्रों की खोज करती हैं और अलग-अलग स्थानों पर उत्पादन करती हैं जिससे उत्पादन कार्य जटिल हो गया है |

(iii) प्रौद्योगिकी ने उत्पादन को सुगम बनाया है और सूचना प्रौधोगिकी ने उत्पादन प्रक्रिया को आपस में जोड़ दिया है |

(iv) सभी के लिए समान अवसरों का सृजन हो और यह सुनिश्चित किया जाए की वैश्वीकरण के लाभों में सभी की बेहतर हिस्सेदारी हो |

<u>खंड- घ</u>

27.साख- साख (ऋण/उधार) का तात्पर्य एक सहमति से है जहाँ साहूकार कर्ज़दार को धन, वस्तुएँ या सेवाएँ मुहैया करता है और बदले में भविष्य में कर्ज़दार से भुगतान करने का वादा लेता है |

<u>संपति के रूप में साख</u>- कोई भी व्यापार या उत्पादन कार्य करने के लिए कार्यशील पूँजी की जरुरत होती है जो की ऋण के द्वारा पूरी की जाती है | ऋण उत्पादन के कार्यशील खर्चों तथा उत्पादन को समय पर पूरा करने में मदद करता है और व्यापारी/उत्पादक अपनी कमाई बढ़ा पाता है | ऐसी स्थिति में व्यक्ति की स्थिति बेहतर होती है | इस प्रकार ऋण एक महत्वपूर्ण तथा सकारात्मक भूमिका अदा करता है |

<u>ऋणजाल के रूप में साख-</u> कभी-कभी अपनी कार्यशील पूँजी की जरुरत को पूरा करने के लिए ऋण तो लिया जाता है लेकिन अपेक्षित आय नहीं होने की स्थिति में नुकसान सहना पड़ता है | जैसे- फसल उगाने के लिए ऋण लिया जाए और फसल ख़राब हो जाए

https://www.evidyarthi.in

और कर्ज चुकाने में व्यक्ति की स्थिति पहले से और ख़राब हो जाए | ऐसी स्थिति में ऋण कर्ज़दार को ऐसी परिस्थिति में धकेल देता है, जहाँ से बहार निकलना काफी कष्टदायक होता है |

अथवा

स्वयं सहायता समूहों का महत्त्व-

(i) स्वयं सहायता समूहों का विचार गरीबों खासकर महिलाओं को छोटे-छोटे स्वयं सहायता समूहों में संगठित करने और उनकी बचत पूँजी को एकत्रित करने पर आधारित है |

(ii) नियमित बचत के बाद समूह को बैंक से ऋण भी मिल जाता है जिसका उपयोग समूह स्वरोजगार के अवसरों का सृजन करना होता है |

(iii) स्वयं सहायता समूह कर्ज़दारों को ऋणधार के कमी की समस्या से उबरने में मदद करते हैं और समयानुसार और आवश्यकतानुसार ऋण उपलब्ध करवाते हैं |

(iv) इन समूहों की ब्याज की दर कम होती है जिससे ग्रामीणों के ऋण के जाल में फंसने का खतरा दूर हो जाता है |

(v) ये समूह ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों को संगठित करने में मदद करते हैं |

(vi) इन समूहों से महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से स्वावलंबी हो जाती हैं बल्कि समूह की नियमित बैठकों में लोगों को एक मंच मिलता है जहाँ वे तरह-तरह के सामाजिक विषयों जैसे- स्वास्थ्य, पोषण और घरेलू हिंसा इत्यादि पर आपस में चर्चा कर पाती हैं |

28. हाँ, क्योंकि,

(i) क्षेत्रीय दलों के उभार से केंद्र-राज्य संबंधों में महत्वपूर्ण बदलाव आए |

(ii) पहले केंद्र और राज्यों में एक ही दल की सरकार थी और इस कारण राज्य सरकारों ने स्वायत्त संघीय इकाई के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग नहीं किया | जब केंद्र और राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारें रही तो अक्सर राज्यों के अधिकारों की अनदेखी करने की कोशिश की गई |

evidyarthi

(iii)1990 के बाद क्षेत्रीय दलों का उभार हुआ और केंद्र में गठबंधन सरकार की शुरूआत हुई |

(iv) गठबंधन सरकारों के युग में सत्ता में साझेदारी और राज्य सरकारों की स्वायत्तता का आदर करने की संस्कृति का उदय हुआ |

(v) राज्य सरकारों को मनमाने ढंग से भंग करना केंद्र सरकार के लिए मुश्किल हो गया |

(vi) इस प्रकार , इस दौर में सत्ता में साझेदारी जो की लोकतंत्र की आत्मा है, ज़्यादा प्रभावी तरीके से लागू हो पाया |

अथवा

संघीय व्यवस्था के प्रमुख विशेषताएँ:-

(i) यहाँ सरकार दो या अधिक स्तरों वाली होती है |

(ii) अलग-अलग स्तर की सरकारों की कानून बनाने, कर वसूलने और अन्य विषयों पर उनके अधिकार-क्षेत्र बंटे होते हैं |

(iii) विभिन्न स्तर की सरकारों के अधिकार-क्षेत्र संविधान में स्पष्ट रूप से वर्णित होते हैं |

(iv) संविधान के मौलिक प्रावधानों को किसी एक स्तर की सरकार नहीं बदल सकती है |

(v) विभिन्न स्तर की सरकारों के बीच अधिकारों के विवाद की स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय निर्णायक की भूमिका निभाता है |

(vi) अलग-अलग स्तर की सरकारों के राजस्व के अलग-अलग स्रोत निर्धारित होते हैं |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

29. (i) 19वीं सदी में यूरोप में राष्ट्रवाद के उदय के बाद राष्ट्र को अभिव्यक्त करने की चुनौती आई |

(ii) कलाकारों ने राष्ट्र का मानवीकरण करके इस प्रश्न को हल किया |

(iii) उन्होंने एक देश को कुछ ऐसा चित्रित किया जैसे वह कोई व्यक्ति हो |

(iv) उस समय राष्ट्रों को नारी भेष में प्रस्तुत किया जाता था लेकिन वह असल जीवन में कोई खास महिला नहीं थी | यह केवल राष्ट्र के अमूर्त विचार को ठोस रूप देने का प्रयास था | इस प्रकार, नारी की छवि राष्ट्र का रूपक बन गई |

https://www.evidyarthi.in

(v) फ्रांस में उसे लोकप्रिय इसाई नाम मारियान दिया गया जिसने जन-राष्ट्र के विचार को रेखांकित किया | उसके चिन्ह भी स्वतंत्रता और गणतंत्र के थे- लाल टोपी, तिरंगा और कलगी |

(vi) इसी तरह जर्मेनिया, जर्मन राष्ट्र की रूपक बन गई | जेर्मेनिया बलूत वृक्ष के पत्तों का मुकुट पहनती है क्योंकि बलूत वीरता का प्रतीक है |

30. (i) निजी क्षेत्रक में परिसम्पतियों पर स्वामित्व और सेवाओं के वितरण की ज़िम्मेदारी एक व्यक्ति या कंपनी के हाथों में होता है जबकि सार्वजानिक क्षेत्रक में, अधिकांश परिसम्पतियों पर सरकार का स्वामित्व होता है |

(ii) निजी क्षेत्रक के उदाहरण हैं- टाटा, रिलायंस जैसी कंपनियां, वहीं सार्वजनिक क्षेत्रक के उदाहरण हैं- रेलवे, डाकघर आदि |

(iii) निजी क्षेत्रक की गतिविधियों का ध्येय लाभ कमाना होता है जबकि सार्वजनिक क्षेत्रक का ध्येय केवल लाभ कमाना नहीं होता है |

(iv) कुछ चीजें निजी क्षेत्रक उचित कीमत पर उपलब्ध नहीं करवा सकता इसलिए सार्वजनिक क्षेत्रक इन चीजों/ सुविधाओं को उपलब्ध कराती है जैसे- सड़कों, पूलों, रेलवे आदि का निर्माण |

(v) कुछ गतिविधियाँ सरकार सामाजिक कल्याण के लिए चलाती हैं जैसे- विद्यालयों तथा अस्पतालों का निर्माण तथा चलाना | जब निजी क्षेत्र विद्यालय या अस्पताल चलाते हैं तो उसके लिए शुल्क लेते हैं |

31. विनिर्माण उद्योग ही किसी देश के आर्थिक विकास को मापा जाता है क्योंकि-

(i) विनिर्माण उद्योग कृषि के आधुनिकीकरण में सहायक है इससे कृषि उत्पादन बढ़ता है |

(ii) यह द्वितीयक व तृतीयक सेवाओं में रोजगार उपलब्ध कराकर कृषि पर हमारी निर्भरता को कम करते है |

(iii) देश में औधोगिक विकास बेरोजगारी तथा गरीबी के उन्मूलन के एक आवश्यक शर्त है |

(iv) विनिर्माण उद्योगों से बनी वस्तुओं के निर्यात से विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है |

(v) वे देश ही विकसित हैं जो कच्चे माल को विभिन्न तथा अधिक मूल्यवान तैयार माल में विनिर्मित करते हैं | भारत के विकास विविध व शीघ्र औधोगिक विकास में निहित है |

32. खंड-ड़

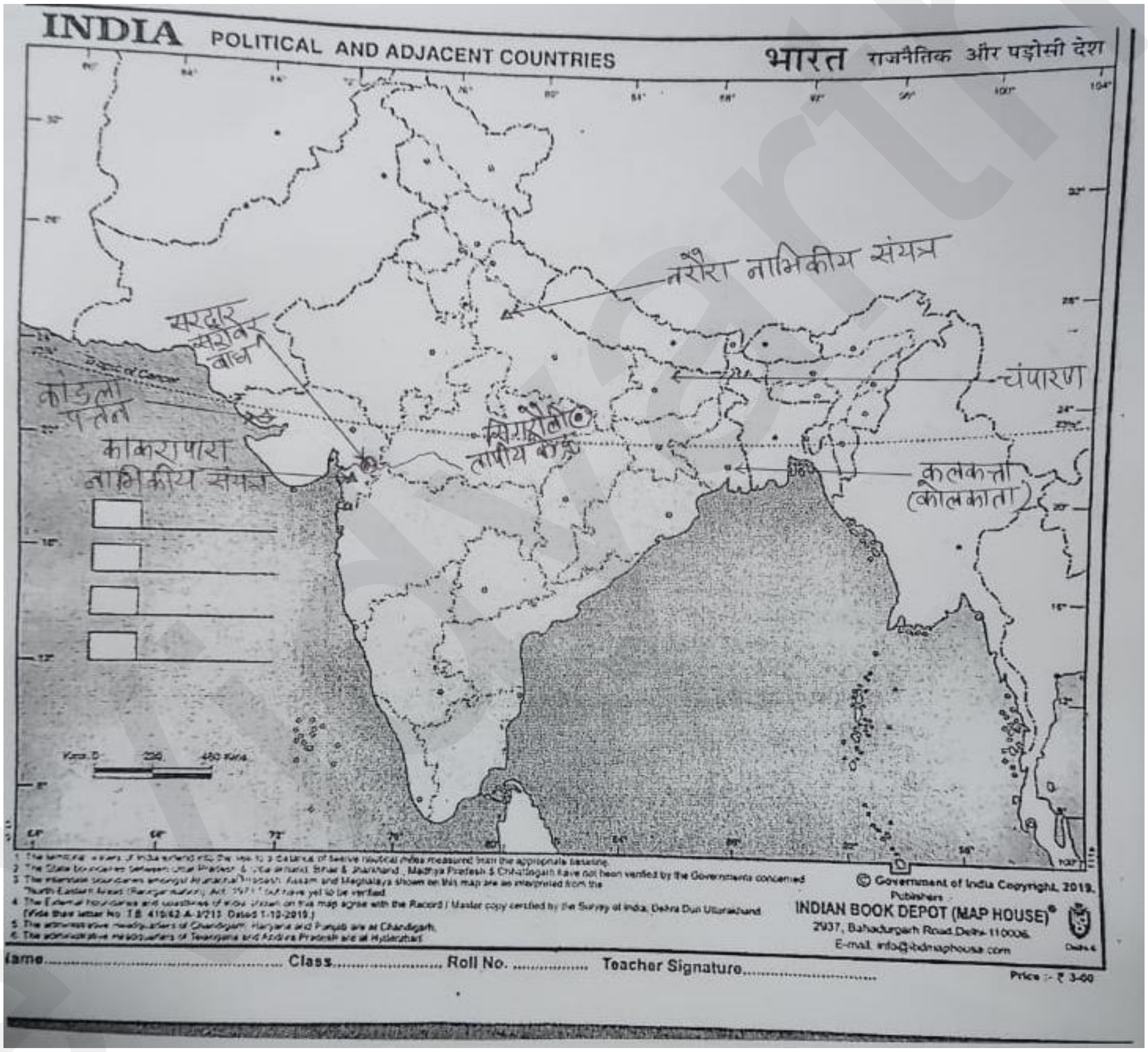

https://www.evidyarthi.in

के वल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए

(a) चंपारण

(b) नागपुर

(c) चौरी चौरा

(d) उत्तर प्रदेश

(e) गुजरात

(f) गुजरात

(g) गुजरात

evidyarthi